BOSTON TEA PARTY

SHIPS & MUSEUM ★★★★★ DECEMBER 16, 1773

A REVOLUTIONARY EXPERIENCE℠

"दोस्तो! भाइयो! देशवासियो! ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा इस बंदरगाह के लिए भेजी गयी, सबसे बड़ी मुसीबत की जड़ और घृणित चाय अब बोस्टन के बंदरगाह पर पहुँच गयी है!" संस ऑफ़ लिबर्टी का पत्र, 29 नवम्बर, 1773

समुएल ऐडम्स द्वारा जोशीली नगर बैठक का नेतृत्व

आप उस घटना में भाग लेने जा रहे हैं जो "आगे चलकर अमेरिकी क्रांति को जन्म देने वाली सबसे बड़ी घटना बनी।" आपसे गुज़ारिश है कि आप जोर-जोर से बोलें, सक्रिय सहभागिता करें और खूब उछलें-कूदें! चाय को बोस्टन बंदरगाह में फेंकने संबंधी विषय पर चर्चा करते समय आपका मेज़बान आपको "सुनो, सुनो!" या "हो-हो!" चिल्लाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। किंग जॉर्ज तृतीय, कर और संसद पर चर्चा करते समय आपको "बू!" या "फाई!" जैसी आवाजें निकालने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। आपकी आवाज़ इस कमरे से निकलकर किंग जॉर्ज तृतीय के पास तक पहुंचनी चाहिए!

इससे पहले कि हम शुरू करें, कृपया सुरक्षा संबंधी निम्नलिखित सूचना अवश्य पढ़ लें:

देवियो और सज्जनो, हिस्टॉरिक टूर्स ऑफ़ अमेरिका को बोस्टन टी पार्टी शिप्स एंड म्यूजियम में आपका स्वागत करते हुए गर्व है। यह एक अनूठा पर्यटन स्थल है, इसलिए इसकी सुरक्षा से संबंधित बातों की जानकारी आपको अवश्य होनी चाहिए। इस कमरे से निकलने के बाद आप प्रदर्शनी वाले तैरते हुए जहाज़ में पहुँच जाएंगे। कृपया सावधानी से चलें और जहाज़ में चढ़ते समय या गलियारे में चलते समय रेलिंग की सहायता लें। म्यूजियम या जहाजों में आपके भ्रमण के दौरान यदि कोई संकटकालीन स्थिति उत्पन्न हो, तो गलियारे से चलते हुए इस भवन में वापस आ जाएं और यहाँ मौजूद निकास मार्गों का प्रयोग करें। अपने सेल फ़ोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को साइलेंट मोड में रखें। इस कमरे में, जहाजों में और जहाज़ के खुले हुए भाग में कैमरे के इस्तेमाल की अनुमति है, किंतु नीचे स्थित म्यूजियम में कैमरे के प्रयोग पर प्रतिबन्ध है। भ्रमण के दौरान कृपया हर समय अपने बोस्टन टी पार्टी मेज़बान के साथ ही रहें और हमेशा याद रखें कि आप अब सूखी भूमि पर नहीं हैं। बंदरगाह में हम अगर कुछ डुबोना चाहते हैं तो वह है चाय, चाय और केवल चाय।

नगर बैठक

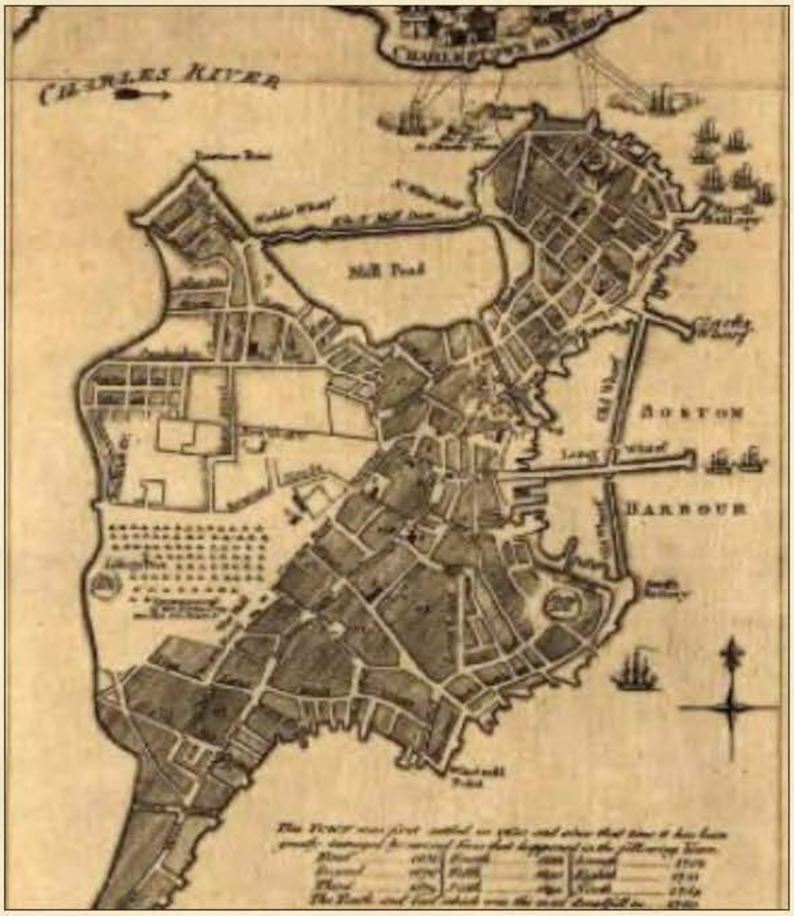

बोस्टन सरक 1773

आज 16 दिसम्बर 1773 है और आप बोस्टन के नागरिक हैं तथा एक अहम नगर बैठक में भाग ले रहे हैं! संस एंड डॉटर्स ऑफ़ लिबर्टी नामक संगठन भी बैठक में भाग ले रहा है। इस संगठन का मानना है कि संसद में प्रतिनिधित्व पाना उसका अधिकार है और प्रतिनिधित्व के बिना जो कर लगाए जाते हैं उनका विरोध होना चाहिए। द संस ऑफ़ लिबर्टी तथा लॉयलिस्ट, जो मानते हैं कि किंग के कानूनों का पालन होना चाहिए, के बीच इस बात को लेकर तकरार होती है कि विवादित चाय के आगमन पर उसके साथ कैसा बर्ताव किया जाए। एलीनॉर, डार्टमाउथ और बीवर नामक तीन जहाज़ ईस्ट इंडिया चाय की 340 पेटियां लेकर बोस्टन बंदरगाह पर पहुँच चुके हैं। डार्टमाउथ और बीवर जहाजों के मालिक फ्रांसिस रॉच को रॉयल गवर्नर थॉमस हचिन्सन से मिलने और यह अनुमति मांगने के लिए मिल्टन, मैसाचुसेट्स भेजा गया है कि चाय को उतारे बिना जहाजों को वापस इंग्लैंड भेज दिया जाए। यदि चाय उतार ली गयी और कर चुका दिए गए तो बोस्टन के नागरिकों को और अधिक प्रतिनिधित्व रहित कर अदा करने पड़ेंगे! इस बैठक के दौरान समुएल ऐडम्स आपको याद दिलाएँगे कि ब्रिटिश सरकार में उपनिवेशों को कोई प्रतिनिधित्व दिए बिना किंग जॉर्ज तृतीय और संसद ने उपनिवेशों पर बार-बार कर थोपे हैं। द स्टाम्प टैक्स एक्ट द्वारा कागज़ की सभी चीजों, यहाँ तक कि ताश के पत्तों और पांसों पर भी कर थोप दिया गया! द टाउनशेड एक्ट द्वारा पारे, रंगों, शीशे, और चाय पर कर लगा दिए गए। द संस ऑफ़ लिबर्टी ने पिछले दिनों लगाए गए सभी प्रतिनिधित्व रहित करों का विरोध किया है और विरोध में कई बार प्रदर्शन करने, याचिका देने और ब्रिटिश व्यापार की वस्तुओं का बहिष्कार करने जैसे कदम उठाए हैं। द पैट्रियट्स संगठन की कार्रवाइयों की वजह से सरकार को पुराने क़ानून वापस लेने के लिए बाध्य होना पड़ा था, लेकिन अब बोस्टन, चाय पर लगे इस नए कर का विरोध करने के लिए एकजुट हो रहा है। जब तक आप फ्रांसिस रॉच के वापस आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं तब तक एक पैट्रियट आपका नेतृत्व करेगा क्योंकि लोगों की संस्था ने फैसला किया है कि "आज रात खारे पानी और चाय का संगम होगा।" समुएल ऐडम्स गुप्त संकेत देते हुए बैठक ख़त्म करते हैं, "कोई बैठक इस देश को बचाने के लिए इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकती!" अपनी प्रतीकात्मक मोहॉक पोशाक धारण कर लें और अपने पैट्रियट का अनुसरण करते हुए ग्रिफ़िन घाट पर पहुँचें।

बोस्टन टी पार्टी, 16 दिसम्बर, 1773

चाय का विनाश

बोस्टन बंदरगाह में चाय फेंकना!

अपने पैट्रयिट का अनुसरण करें क्योंकि आप चाय को बोस्टन बंदरगाह में डुबोने के लिए ग्रिफ़िन घाट की तरफ़ बढ़ रहे हैं! अपने मेज़बान के स्वर में स्वर मिलाकर चिल्लाएं, “चाय को समुन्दर में डुबो दो!” अपनी मोहॉक पोशाक पहनना न भूलें! यहाँ उत्तरी अमेरिका में, ये पंख मोहॉक नेशन ऑफ़ नेटिव अमेरिकन्स और उनकी आजादी के प्रेरणादायी प्रतीक हैं। द संस ऑफ़ लिबर्टी संगठन आज रात ये पंख पहनकर स्वायत्तता के उस जज़्बे का सम्मान करता है। द पैट्रयिट्स ने मिट्टी और कालिख आदि से अपने चेहरे छिपा लिए हैं और बड़े-बड़े लबादे पहनकर खुद भी छिप गए हैं। ग्रिफ़िन घाट पर पहुँचने के बाद आप द ब्रिग बीवर और द शिप एलीनॉर में से किसी एक जहाज़ पर चढ़ेंगे, जहाँ आपका सामना सन ऑफ़ लिबर्टी के एक सदस्य से होगा जो आपको याद दिलाएगा कि आप जो करने जा रहे हैं उसे राजसत्ता राजद्रोह मानती है। महज़ 500 गज की दूरी पर HMS सॉमरसेट और HMS बॉयिन नामक दो युद्धपोतों ने लंगर डाल रखा है और हमारी प्रत्येक गतिविधि पर नज़र रखे हुए हैं। आपको शपथ लेनी होगी कि यहाँ मौजूद किसी भी व्यक्ति का नाम आप कभी प्रकट नहीं करेंगे। हम जहाज से चाय उठाकर पानी में फेंकेंगे और बोस्टन बंदरगाह के पानी को नमकीन बना देंगे!

अगले साढ़े तीन घंटों के दौरान संस ऑफ़ लिबर्टी के 90 से 150 जांबाज 90,000 पौंड (45 टन) चाय नष्ट कर देंगे, जिसकी अनुमानित लागत 10,000 पौंड (आज के मूल्य के हिसाब से 15 लाख डॉलर) है।

हमारा विरोध ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश उपनिवेश में चाय के व्यापार पर उसके एकाधिकार को लेकर भी है। ईस्ट इंडिया कंपनी पर ब्रिटिश साम्राज्य का भारी क़र्ज़ चढ़ा है और उसके पास 17 मिलियन पौंड फालतू चाय है। इसमें से कुछ चाय पिछले चार सालों से लन्दन के गोदामों में पड़े-पड़े सड़ रही है! संसद ने द टी एक्ट पारित करके ईस्ट इंडिया कंपनी को उत्तरी अमेरिका में चाय बेचने का एकाधिकार दे दिया। इससे बोस्टन के व्यापारियों का व्यापार बंद हो गया, और पैट्रयिट्स को डर है कि यदि संसद चाय का बाज़ार बर्बाद कर सकती है तो दूसरी वस्तुओं के साथ भी ऐसा ही करेगी। चाय की शापित पेटियों पर ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापारिक चिह्न खोजिए!

चाय नष्ट करने का काम पूरा होने के बाद आप जहाज की पकड़ और पिछले केबिन की खोजबीन कर सकते हैं। जहाज के खुले भाग के नीचे आपको बहुत सा सामान मिलेगा जैसे व्हेल के तेल, रम और शीरे के बैरेल, गेहूं तथा अन्य सूखी वस्तुओं से भरे चीड़ के बैरेल आदि वहां बहुत से ऐसे संदूक भी हैं जिसमें घरेलू इस्तेमाल की वस्तुएँ तथा फर्नीचर भरा है। आपको जहाज़ का कप्तान भी दिखेगा जो आज की घटना की रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

द ईस्ट इंडिया कंपनी ‘मर्चेंट मार्क’

ब्रिग बीवर:

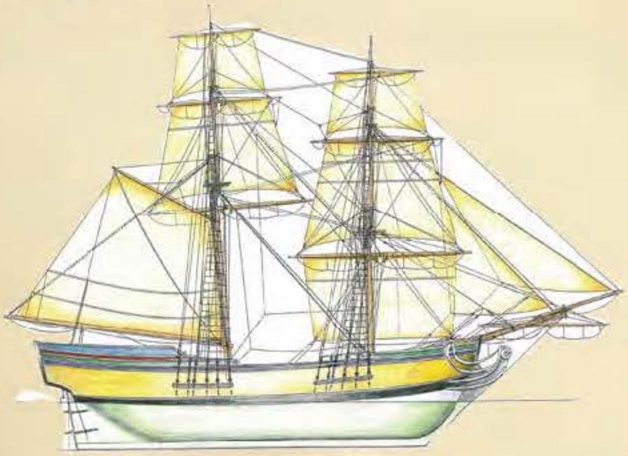

द ब्रिग बीवर

यह जहाज असली ब्रिग बीवर जहाज की प्रतिकृति यानी नक़ल है। असली ब्रिग बीवर 1772 में सिचुएट, मैसाचुसेट्स में बनाया गया था। इसका मालिक नानटाकेट का रॉच परिवार था। बीवर मूलतः व्हेल मछली पकड़ने वाला जहाज था, साथ ही उससे चाय जैसी वस्तुओं की ढुलाई भी की जाती थी। व्यापारिक यात्रा के दौरान जहाज में अमूमन चालक दल के 8-10 सदस्य रहते थे, हालाँकि व्हेल मछली पकड़ने के दौरान इससे कहीं ज्यादा लोग होते थे। बीवर का कप्तान हेज़ेकाय कॉफिन नामक क्वेकर नाविक था। बीवर बोस्टन बंदरगाह पहुँचने वाला आख़िरी जहाज था जिसमें ईस्ट इंडिया कंपनी की चाय की 112 पेटियां थीं। चालक दल के सदस्यों को चेचक की बीमारी हो जाने की वजह से वह घाट पर देरी से पहुंचा था। जहाज को रेन्सफोर्ड द्वीप पर रोक लिया गया था, जहाँ उसकी सफाई की गयी और सल्फर के धुएँ से शुद्धीकरण किया गया। वह ग्रिफ़िन घाट पर बोस्टन टी पार्टी से एक दिन पहले अर्थात 15 दिसम्बर 1773 को पहुंचा था। कप्तान कॉफिन को डर था कि चाय नष्ट करते समय संस ऑफ़ लिबर्टी के सदस्य कीमती फर्नीचर और और अन्य वस्तुओं को भी नुकसान पहुंचाएंगे। लेकिन संस ऑफ़ लिबर्टी के सदस्यों ने वादा किया कि चाय के अलावा किसी अन्य वस्तु को हाथ नहीं लगाया जाएगा और जहाज के चालक दल को भी कोई नुकसान नही पहुँचाया जाएगा। संस ऑफ़ लिबर्टी के सदस्यों ने अपना वादा बखूबी निभाया और चाय को छोड़कर ब्रिग बीवर की किसी भी अन्य चीज को हाथ नहीं लगाया।

एलीनॉर:

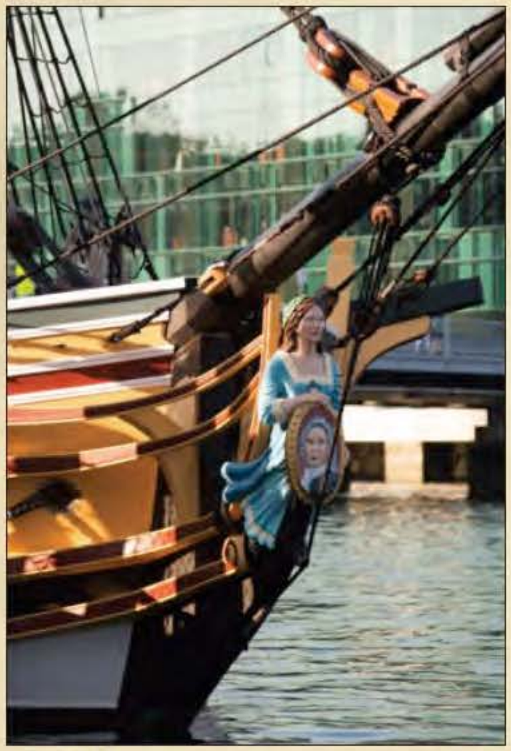

एलीनॉर नामक जहाज का अग्रभाग जिसमें जहाज के मालिक जॉन रोव बैठे हैं

यह जहाज असली एलीनॉर जहाज की नक़ल है। बोस्टन के प्रमुख व्यापारी जॉन रोव कई अन्य जहाजों के साथ-साथ असली एलीनॉर के भी मालिक थे। ग्रिफ़िन घाट पर पहुँचने वाला दूसरा जहाज एलीनॉर था जो 2 दिसम्बर 1773 को पहुंचा था। वह तीन महसूलों से सुसज्जित था और निरंतर व्यापारिक जलयात्राओं पर रहता था अर्थात व्हेल पकड़ने के लिए उसका इस्तेमाल कभी नहीं होता था। एलीनॉर चाय की 114 पेटियां लाया था। उसका कप्तान जेम्स ब्रूस था, जिसका झुकाव टोरी यानी ब्रिटिश सरकार की तरफ था। ब्रूस ने जॉन रोव की इच्छा के खिलाफ जहाज पर चाय लदवा दी थी। रोव ने बाद में कहा था कि "जहाज पर चाय न लादने के बदले वे ब्रूस को 500 गिन्नियाँ दे देते"। आज की रात संस ऑफ़ लिबर्टी ने अपने साथी पैट्रियट्स से गुजारिश की थी कि "आज रात चाय का नामोनिशान तक नहीं बचना चाहिए।" प्रशिक्षु और कम उम्र के पैट्रियट्स ने हाथ में झाड़ू उठा ली थी ताकि पेटियों के बाहर इधर उधर बिखरी चाय को झाड़ू से बुहारकर जहाज को पूरी तरह चायविहीन कर दिया जाए।

ग्रिफ़िन घाट

ग्रिफ़िन घाट की यात्रा के दौरान आपको रात की घटनाओं और चाय नष्ट करने वाले लोगों के बारे में अतिरिक्त जानकारी दी जाएगी। अपने पात्र का नाम बोस्टन टी पार्टी के सहभागियों की सूची में देख लें! इसके पहले बोस्टन में विरोध प्रदर्शन अधिकतर दंगा-फसाद से भरे और हिंसक होते थे। लेकिन उस रात को संस ऑफ़ लिबर्टी ने चालक दल के किसी भी सदस्य को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया और चाय को छोड़कर केवल एक दूसरी चीज़ का नुकसान हुआ था। दरअसल उस रात की घटनाओं में डार्टमाउथ का महज एक ताला तोड़ा गया था लेकिन संस ऑफ़ लिबर्टी ने अगली सुबह चुपके से दूसरा ताला वहां रख दिया था।

बोस्टन टी पार्टी के बाद अगली सुबह को पेट्रियट और टोरी – दोनों की बात सुनें

अगली सुबह...

चाय नष्ट होने के बाद की अगली सुबह आम सुबह जैसी ही है। हम जानते हैं कि हम एक खतरनाक मुक़ाम पार कर गए हैं। हमारे गवर्नर थॉमस हचिन्सन ने कहा कि यह "अमेरिका के इतिहास का सबसे साहसी आघात है।" वैचारिक गहमागहमी के बीच बोस्टन के लोगों का मत विभाजित है। यात्रा के दौरान आपकी मुलाकात पैट्रियट समर्थक साराह और टोरी समर्थक कैथरीन से होगी। कैथरीन किंग के प्रति निष्ठावान बनी रहती है और मानती है कि बोस्टन के सुरक्षा बल के रूप में मौजूद ब्रिटिश सेना संस ऑफ़ लिबर्टी के दंगा-फसादों से लोगों को बचाती है। बहुत से टोरी समर्थकों की तरह कैथरीन भी यह सोचती है कि संस ऑफ़ लिबर्टी समस्याओं को हल करने के बजाय बोस्टन में नई-नई समस्याएँ पैदा कर रहे हैं। साराह ब्रिटिश फौज को नाजायज कब्ज़ा करने वालों के रूप में देखती है। साराह मानती है कि चाय का विनाश संसद को कराधान समाप्त करने के लिए मजबूर कर देगी, जैसे पहले के विरोध प्रदर्शनों की वजह से प्रतिनिधित्व रहित कर समाप्त कर दिए गए थे। साराह ने पैट्रियट्स के नॉन-इम्पोर्टेशन एग्रीमेंट में भाग लिया था। इस एग्रीमेंट का मतलब है ऐसी वस्तुओं की खरीद या बिक्री न करना जिन पर प्रतिनिधित्व रहित कर लगाए गए हों। साराह यह भी मानती है कि सभी सच्चे बोस्टनवासियों को तब तक चाय नहीं पीनी चाहिए जब तक चाय पर लगे कर वापस नहीं ले लिए जाते। दोनों अपने-अपने सिद्धांतों को लेकर बहस करती हैं और उन खतरों का भी जिक्र करती हैं जो किंग की चाय नष्ट कर देने के कारण पैदा हो सकते हैं।

द रोबन्सिन हाफ चेस्ट

सबूतों को नष्ट करने की हर कोशिश के बावजूद, चाय और चाय की पेटियों के कुछ अवशेष अब भी बोस्टन बंदरगाह पर तैर रहे हैं। ओल्ड नार्थ चर्च से उधार ली गयी जो बोतल आप अपने सामने देख रहे हैं, उसमें एक सहभागी के जूते से मिली चाय है, जिसे उत्सुकतावश तरल रूप में संरक्षित किया गया है। उस सुबह, बाद में डॉरचेस्टर के फ्लैटों में एक खोज की गई।

युवा जॉन रोबन्सिन को समुद्र तट पर चाय की एक पेटी मिलती है। वह उसे घर ले जाता है और जीने के नीचे छिपा देता है और क्रांतिकारी युद्ध में लड़ने चला जाता है। रोबन्सिन टी चेस्ट और इसकी कहानी पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रही है और अब यह पेटी 1773

चाय की पेटियों पर इनके मूल स्थान के निशान हैं। इसकी पेंदी पर नौ लोगों का मॉरिस गेम अंकित है और इसके पक्षों पर फूल चित्रित किए गए हैं। वर्षों से इसका उपयोग गुड़िया और बिलौटों के कचरे रखने के लिया किया जाता रहा है!

की बोस्टन टी पार्टी के बाद बची अकेली ज्ञात पेटी है। चाय की यह साधारण सी पेटी अटलांटिक महासागर पार करने की यात्रा कर चुकी है, इसे खोलने के लिए इस पर किए गए कुल्हाड़ियों के वार झेल चुकी है, समुद्र में डूब चुकी है और एक क्रांति की प्रेरक बन चुकी है। आज यह उसी समुद्र के ऊपर विराजमान है जिसमें उसे 1773 की उस विनाशक रात को फेंक दिया गया था। यह अमेरिकी निधि दिशभक्तों की नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए तैयार है। यह सच में एक “संग्रहणीय वस्तु” है।

द रोबन्सिन हाफ चेस्ट

73.4%

द पोर्ट्रेट गैलरी

किंग जॉर्ज तृतीय

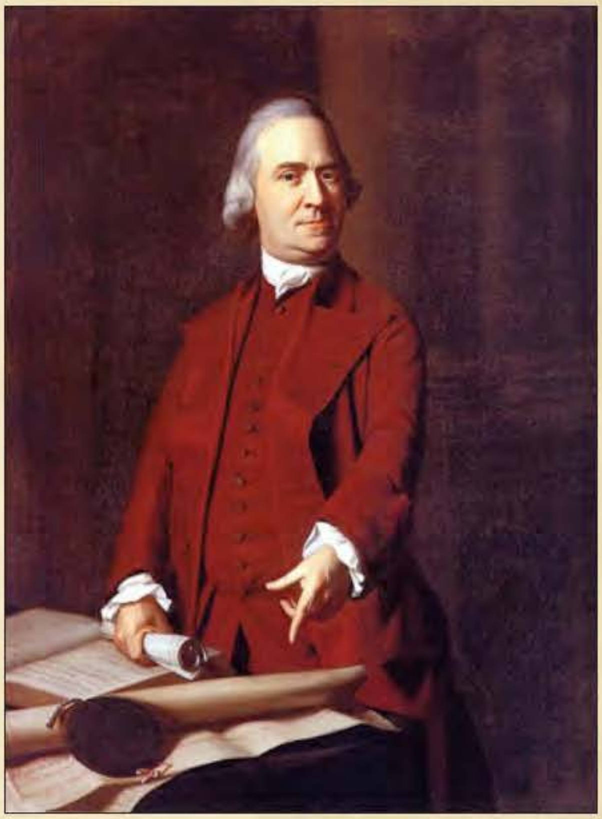

समुएल ऐडम्स

इसके बाद आपको द पोर्ट्रेट गैलरी मिलेगी जिसमें ऐसे बहुत से पैट्रियट्स चेहरे दिखेंगे जिन्होंने अन्यायपूर्ण कराधान के खिलाफ संघर्ष किया और उन लॉर्ड्स के चेहरे भी दिखेंगे जिन्होंने कर लागू किए। किंग जॉर्ज तृतीय और समुएल ऐडम्स प्रमुखता से मौजूद हैं। बोस्टन टी पार्टी की खबर इंग्लैंड पहुँचने में छह हफ़्ते लगे थे। किंग और संसद की प्रतिक्रिया जितनी तेज थी उतनी ही कठोर भी थी! हालाँकि ये दोनों आमने सामने कभी नहीं मिले, फिर भी उनके विचारों की भिन्नता और तीखी नोंक-झोंक ब्रिटिश साम्राज्य के विघटन के संकेत अवश्य देती है।

1774 में किंग जॉर्ज तृतीय कोअर्सिव एक्ट्स नामक कानूनों की शृंखला के माध्यम से बोस्टन को दंड देते हैं। उपनिवेशों में इन्हें इनटॉलरेबल एक्ट्स कहा जाता है। इसके तहत बोस्टन बंदरगाह की घेराबंदी करके उसे बंद कर दिया जाता है, बोस्टन के निर्वाचित अधिकारियों की संस्था भंग कर दी जाती है, बोस्टन के अधिकांश न्यायालयों के अधिकार छीनकर लन्दन के न्यायालयों में निहित कर दिए जाते हैं और बोस्टन पर फौज का नियंत्रण लागू कर दिया जाता है। फरवरी 1775 आते आते किंग यह घोषणा करते हैं कि न्यू इंग्लैंड में राजद्रोह की स्थिति पैदा हो गयी है और राजद्रोह के अपराध में समुएल ऐडम्स तथा जॉन हैनकॉक जैसे लोगों को गिरफ्तार कर लिया जाए। वह रेत पर एक रेखा खीचते हुए कहते हैं, "पांसा फेंका जा चुका है, उपनिवेशों को या तो अधीनता स्वीकार करनी होगी या विजय पानी होगी। आघातों व प्रहारों से अब यह तय हो जाना चाहिए कि या तो आप इंग्लैंड की प्रजा हैं या स्वतंत्र हैं।"

उथल-पुथल के दिनों में विभाजित बने रहने के बजाय न्यू इंग्लैंड और अन्य उपनिवेश दमनकारी कोअर्सिव एक्ट्स का विरोध करने के समान उद्देश्य को लेकर एकजुट होने लगे। सितम्बर 1774 में 13 में से 12 उपनिवेश फर्स्ट कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में आगे की कार्रवाई पर चर्चा करने के लिए संगठित हुए। 1775 में पैट्रिक हेनरी ने कहा "मुझे पता नहीं कि दूसरे लोग किस रास्ते पर चलेंगे, लेकिन जहाँ तक मेरा सवाल है, या तो मुझे स्वाधीनता दो या मौत दे दो!"

द मिनटमैन थिएटर और लेट इट बिगिन हियर

बोस्टन टी पार्टी के बाद 16 महीने गुज़र चुके हैं। द इनटॉलरेबल एक्ट्स बोस्टन को झुका नहीं पाए, उल्टे इन नए कानूनों ने क्रान्ति की चिंगारी को और हवा दे दी। बढ़ते तनाव की वजह से रॉयल गवर्नर थॉमस हचिन्सन को पद से हटा दिया गया। उनकी जगह जनरल थॉमस गेज को गवर्नर बनाया गया। थॉमस गेज मार्शल लॉ लगा देते हैं और बोस्टन बंदरगाह की घेराबंदी करते हैं। इंग्लैंड और उसके उपनिवेशों के बीच का यह विवाद अब केवल करों का मामला नहीं रह गया है, यह बहुत आगे निकल चुका है। लोगों के दिलोदिमाग में बहुत कुछ बदल गया है। अब यह लगभग तय हो गया है कि सम्राट और उपनिवेशों के बीच के संघर्ष का निपटारा युद्ध के मैदान में ही होगा।

अंग्रेज़ सैनिकों का लेक्सिंग्टन ग्रीन पर कब्ज़ा

लेट इट बिगिन हियर एक पुरस्कार विजेता फ़िल्म है जो लेक्सिंग्टन ग्रीन के युद्ध का चित्रण करती है और बताती है कि कैसे इस युद्ध में चली गोलियों की आवाज़ दुनिया भर में सुनाई पड़ी थी। फ़िल्म में देखिए कि किस प्रकार पॉल रीवर आधी रात को घर से निकलकर आसपास के गाँववालों को बताता है कि ब्रिटिश रेजिमेंट आ रही है और किस प्रकार मिनटमेन शक्तिशाली ब्रिटिश शासकों के ख़िलाफ़ उठ खड़े होने की हिम्मत दिखाते हैं। कृपया नोट करें: इस फ़िल्म में युद्ध के दृश्यों का सजीव चित्रण है, तेज़ ध्वनि है और कुछ दृश्य बच्चों को विचलित कर सकते हैं। यदि फ़िल्म देखते समय आपको किसी सहायता की आवश्यकता हो तो अपने मेज़बान से संपर्क करें।

निष्कर्ष

"मानव स्वभावतः सदा स्वतंत्रता का पक्षधर रहा है। साथ ही मानव स्वभाव में अत्याचार के प्रति रोष और अन्याय के प्रति आक्रोश भी रहता है। सत्य के प्रति लगाव होता है और सद्गुणों के प्रति श्रद्धा रहती है। ये सौम्य मनोभाव हर व्यक्ति के मन में चिंगारी की तरह दबे रहते हैं... यदि लोगों में सत्य और असत्य, सही और ग़लत, गुण और अवगुण के अंतर को समझने, देखने और महसूस करने की स्वाभाविक योग्यता है तो मानव की भलाई के लिए अंतर समझने की इस योग्यता से बढ़कर और कौन से सिद्धांत लागू किए जा सकते हैं?"

– जॉन ऐडम्स

द बोस्टन टी पार्टी बहुत महत्वपूर्ण घटना थी जिसके व्यापक प्रभाव से आगे चलकर अमेरिकन रेवोलुशन यानी अमेरिकी क्रांति का जन्म हुआ।

आज हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको बोस्टन टी पार्टी शिप्स एंड म्यूजियम तथा हिस्टॉरिक टूर्स ऑफ़ अमेरिका की ओर से धन्यवाद! कृपया ऐबीगल्स टी रूम में अवश्य पधारें जिसमें बोस्टन टी पार्टी का हिस्सा रही ऐतिहासिक चाय की विभिन्न किस्में तो देखने को मिलेंगी ही, साथ में जायकेदार सैंडविच, बिस्कुट और अन्य स्वल्पाहार आपकी थकान मिटा देंगे।

ऐबीगल्स टी रूम